



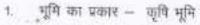


La Istian









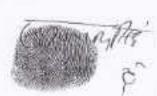
- मीहल्ला / ग्राम....मीजा सतोहा असगरपुर तहसील व जिला मधुरा
- मापन की इकाई (हैक्टैयर) रकवा 0.413 हैक्टेयर
- सम्पत्ति का प्रकार :- कृषि मृमि
- पेड़ों का मूल्यांकन....नहीं
- बोरिंग / गृंआ / अन्य_ महीं
- 7. प्रतिफल को धनसशि..2000000/--,रूपये
- स्टाम्प हेतु मालियत 2000000/-रुपये



コンターがなっ









182700

TT JAN 2007

(2)

9. स्टाम्प देय 200000/-रूपये जिसमें से 12000/-रूपये का स्टाम्प बजरिये इकरारमामा दिनांक-11.9.2006 प्रलेख संख्या-10021 के द्वारा अदा किया जा चुका है व शेष 188100/-रूपये का स्टाम्प इस बिक्रय पत्र द्वारा अदा किया जा रहा है 10. सरकारी दश भूमि सड़क से दूर 800000/-र्रूपये प्रतिएकड जो नवीन रेट लिस्ट के पृष्ट सं0 52 क्रमांक 29 पर दर्ज है। कार्यक्षेत्र उठिनिठ मथुरा - प्रथम/द्वितीय.

विकेता की संख्या (1)

विक्रेता का विवरण

चन्दनसिंह पुत्र श्री बल्लो निवासी नगला कुम्हेरिया भाग ग्राम दतिया तहसीय व जिला मधुरा विकेता प्रथमपक्ष व श्री सूरजपाल पुत्र श्री जसवन्त सिंह मि ।श्री चन्द्रलोक कालीनी मधुरा मुहायदा वै धारक द्वितीयपक्ष पक्षगण इस लेखक्त अ हैं।

Jangun P

माम्म हिन्द





182701

727 JAN 2007

(3)

क्रेता की संख्या (1) क्रेता का विवरण

सुदीप कुमार पुत्र स्व० श्री जमुनाप्रसाद जी निवासी 111, श्रीजमुनाधाम कालौनी गोवर्धन चौराहा, मथुरा

हमकि <u>धन्दनसिंह पुत्र श्री बल्लो निवासी नगला कुम्हेरिया भाग ग्राम दितया तहसील व</u> जिला मथुरा विक्रेता प्रथमपक्ष व श्री सूरजपाल पुत्र श्री जसवन्त सिंह निवासी चन्द्रलोक कालीमी मथुरा मुहायदा वै धारक द्वितीयपक्ष पक्षगण इस लेखपत्र के हैं।





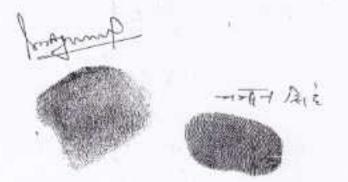


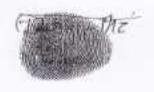


STABLE 27 JAN 2007

(4)

जो कि आराजी संक्रमणीय मूमिधरी खाता नबर—115 व खसरा नबर—72 रकवा 0.413 हैक्टेकयर लगानी 8.65 रूपया सालाना बाकै मौजा सतोहा असगरपुर शहसील व जिला मधुरा मिल्कियत किंकेता प्रथमपक्ष है और सरकारी कागजात माल में विक्रेता प्रथमपक्ष का ही नाम बहैसियन मालिक दर्ज है। विक्रेता प्रथमपक्ष का ही कब्जा है और जिसके विषय में विक्रेता प्रथमपक्ष को हर तरह के अधिकार प्राप्त है और जो हर तरह के झगड़े झंझटों व कर्जों आदि से पाक साफ है सिवाय विक्रेता प्रथमपक्ष के अन्य किसी का कोई





182702



182703



(5)

हक हिस्सा य सम्बन्ध नहीं है न कोई ऐसा व्यक्ति अथवा वस्तु है जो विक्रेता प्रथमपक्ष के इस बैनामा करने में कोई सकावट या बाधा पैदो कर, सके उक्त आराजी पर किसी भी वित्तीय संस्था बैंक आदि या व्यक्ति विशेष का कोई भी वार या भार किसी भी प्रकार का नहीं है यानि कि बेची जाने वाली आराजी एक मात्र पाक साफ मिल्कियत विक्रेता प्रथमपक्ष की ही है मौजे की आराजी का सड़क से दूर होने की बजह से सरकारी रेट 800000/—रूपया प्रतिएकड़ का है और बेचे जाने वाली आराजी की स्टाम्प हेतु



-129-12/6







182704

2.7 JAN 2007

(6)

भारित्यत 2000000 / - रूपया है कृषि से कोई खास आय नहीं हो पाती है सीभाग्य से इस समय कीमत अच्छी मिल रही है बेचने में विक्रेता प्रथमपक्ष का सरासर लाम है कीमत के प्राप्त रूपये को कहीं भी लगा देने से विक्रेता प्रथमपक्ष को एक अच्छी य निश्चित आय हो जावेगी। प्रथमपक्ष ने अपनी उक्त आराजी के बेचने का मुहायदा वै दिनांक-11.9.2006 जिसका निबंधन कार्यालय उ0नि0 मथुरा में बही नंबर-1 जिल्द 3659 के सफा 357/364 नंबर-10021 पर हुई द्वितीयपक्ष से तय किया था मुहायदा वै की शर्तों के अनुसार व जसके अनुपालन में यह विक्रय पत्र द्वितीयपक्ष को

Janagement 9

-12401 Ric







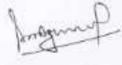


182705



(7)

शामिल कर उसकी सहमति से किया जा रहा है। जिस मुहायदा वे में 12000/-रूपये का स्टाम्प अदी किया गया था जिसमें से 100/-रूपये का स्टाम्प कमकर' 11800/-रूपये का स्टाम्प इस विक्रय पत्र में मुजरा किया जा रहा है व शेष188100/-रूपये का स्टाम्प अदा किया जा रहा है। अतः उस्त आराजी को समस्त अधिकारों सहित जो विक्रेता प्रथमपत्त को प्राप्त है या मविष्य में प्राप्त हो सकते





अभीता हिन्द



(1225min f13'



182706



(8)

हों वएवज 2000000/—बीस लाख रूपया जिसके आधे 1000000/—दस लाख रूपया होते हैं। बदस्त सुदीप कुमार पुत्र स्वव श्री जमुनाप्रसाद जी निवासी 111, श्रीजमुनाधाम कालौनी गोवर्धन चौराहा, मधुरा के हक मैं बै कतई कर दिया और बेच दिया और कीमत का कुल रूपया खरीदार से नकद वक्त रजिस्ट्री बैनामा प्राप्त कर बेची गई उक्त



-126 A 126 L







182707



(9)

आराजी पर खरीदार का बाकई कव्जा व कव्जा मालिकाना करा दिया । खरीदार बेची गई आराजी का सम्पूर्ण स्यामी हुआ । खरीदार समस्त अधिकार मालिकाना प्रयोग में लावें और स्वयं जो चाहे सो करें अब विक्रेशा प्रथमपक्ष व विक्रेशा प्रथमपक्ष व उसके याहिसानों का बेची गई उक्त आराजी से कोई भी सम्बन्ध किसी भी प्रकार का शेष नहीं रहा न भविष्य में कदापि हो सकेगा। यदि बेची गई उक्त आराजी के सम्बन्ध में कभी

may a Rice







A 058204

2.5 JAN 2007 St. T.O. Mathura

(10)

कोई विवाद किसी भी प्रकार का उत्पन्न हो या बेची गई उक्त आराजी का थोड़ा या कुल कब्जा खरीदार से निकल जावे या खरीदार को कुछ खर्च करना पद्मे या देना पड़े या कोई बार बरामद हो तो उसकी समस्त जबाबदेही व खर्चा अदालत य अदा करदा रूपया गय जर समन व जर लागत व सूद व हर्जा खरीदार सब विकेता प्रथमपक्ष जिम्मे है और खरीदार वह सब विकेता प्रथमपक्ष से व उसके











UTTAR PRADESH

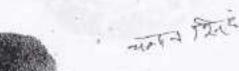
B 666645

2 4 JAN 2007 Sr. T.O. Mathura

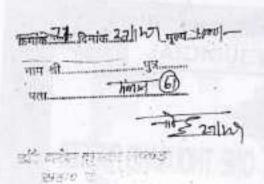
11)

वारिसानों य उसकी चल अचल सम्पत्ति से हस्य जान्या मय खर्च के बसूल करलें । इसमें प्रथमपक्ष को कोई उज नहीं होगा। आराजी एक फसला है आराजी कृषी कार्य में आ रही है आराजी में इस समय कोई फसल नहीं खड़ी है न ही आराजी में कोई पेड़ आदि









ने निष्पादन स्वीकार किया । जिनकी पहचान श्री कैस्ताश प्रताब पुत्र श्री <u>प्रसाप सिंह</u>

वेशा व्यापार

MANAGER STATES

निवासी गोवर्धन रोड मधुरा

व श्री स्थाम विहारी पत्र श्री राम सिह

पुत्र औ राम सिह पेक्षा स्थापार

निवासी वृन्दावन गेट मधुरा ८

ने की ।

पत्यवता भद्र मावियों के निशान अंगूठे नियमानुषार तिये गये हैं।



मुकेश श्रीयास्तव उप निबन्धक मधुरा 27/1/2007





B 666646

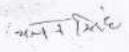
2 4 JAN 2007

Sr. f.O. Mathura

12

है । विक्रेता अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं है। <u>उंबत आराजी के 200 मीटर</u> (सराजन्डिंग) में कृषी कार्य हो रहा है। फोटो प्रमाणित राजेन्द्र प्रसाद पार्ट्रिक एडवोकेट ने किये हैं। उक्त प्रलेख क्रेता विक्रेता के कहे अनुसार गवाहों के समक्ष उन्हें पढ़ा व सुनाकर उनके निर्देशानुसार ड्राफ्ट किया गया है। विक्रेता ने अपना सम्पूर्ण अंश बेद्या है। तसदीकी मुख्यारनामा आम दि0-5.3.2005 जिसकी रजिस्ट्री कार्यालय सब रजिस्ट्रार













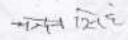
B 666647

2 4 JAN 2001

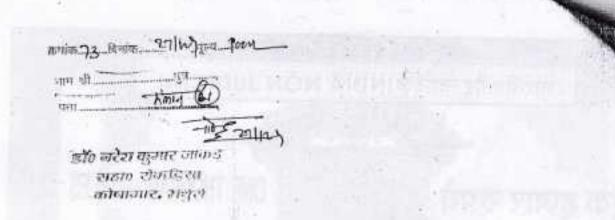
13

मथुरा में बही नंबर—6 खण्ड 1 के सफा 32/33 पर नंबर—3 पर दिनांक—5.3.2005 हुई है ससबिहारी पुत्र श्री मोहनलाल अग्रवाल निवासी पाठक गली, राजाधिराज बाजार, मधुरा को संक्त सुदीप कुमार पुत्र श्री जमुना प्रसाद जी निवासी जमुनाधाम कालोगी गोवर्धन रोड,मधुरा की ओर से उनके द्वारा हरताबारित प्रलेख प्रस्तुत करने व निबंधम कराने आदि के पूरे पूरे अधिकार प्राप्त है।









केता

Registration No.

1168

Year:

2007-

Book No.

0201 रासविहारी अग्रवाल प्रतिनिधि सुवीप कुमार मोहन जान पाठकमती मधुरा मार्थार







भारतीय गेर न्यायिक

एक सौ रुपये

ক. 100



Rs. 100

ONE HUNDRED RUPEES

सन्दर्भेव जयते

भारत INDIA INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

D 727907

14

लिहाजा यह वैनामा वखुशी राजी खूबसोचसमझकर लिख दिया कि सनद रहे और समय पर काम आवें।

दिनांक- 27.1.2007

कम्प्यूटराईज्ड : गोपाल कृष्ण झारिया मंधुरा

झापट किया : सुभाष कुमार चतुर्वेदी एडवेक्ट, मधुरा

January .

miner Peak



अवाह ज्यामाधिह करामासिंह सम्दावन कोर्

भारत क्षायात्र कष्ण क्षायात्र क्षाय क्षायात्र क्षायात्र क्षायात्र क्षायात्र क्षाया क्षाय क्षाया क्षाया क्षाया क्षाया क्षाया क्षाया क्षाया क्षाया क्षाय क्षाया क्षाय क्षाय

डॉ॰ बरेरा कुमार जाकड़ **राहा॰ रोकडिया** कोषागार, मथुरा



मुकेश श्रीवास्तव उप निबन्धक मथुरा 27/1/2007

